भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2609

(मंगलवार, 12 अगस्त, 2025/21 श्रावण, 1947(शक) को उत्तर के लिए)

एमसीए21 वी3 जैसी ई-गवर्नेंस पहलों की वर्तमान स्थिति और लाभ

2609 श्री कार्तिकेय शर्माः

क्या **कारपोरेट कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एमसीए21 वी3 जैसी ई-गवर्नेंस पहलों की स्थिति और प्रभाव क्या है, जिसमें इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से पंजीकृत कंपनियों और एलएलपी की संख्या तथा प्रदान की जा रही प्रमुख सेवाओं का तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मंत्रालय अनुपालन, कारपोरेट गवर्नेंस और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआई, एनालिटिक्स और ऑटोमेशन जैसी तकनीकों का उपयोग कर रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) एमसीए21 वी3 और संबंधित पहलों के तहत अनुसंधान एवं विकास, डिजिटल अवसंरचना और पायलट परियोजनाओं के लिए कितना बजट आवंटित किया गया है; और

(घ) देश भर में डिजिटल कारपोरेट गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए तकनीक-संचालित सुधारों और साझेदारियों के विस्तार हेतु प्रस्तावित रोडमैप क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): कारपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) भारत में व्यापार को सुगम बनाने और कारपोरेट प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए आद्योपांत ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। देश भर में रजिस्ट्री और कंपनी निगमन संबंधी सेवाओं के लिए एमसीए-21 प्रणाली लागू की गई है। एमसीए21 प्रणाली हितधारकों को सुविधाजनक, उपयोग में आसान, सुरक्षित और बेहतर गति और निश्चितता के साथ सभी एमसीए सेवाओं की डिलीवरी प्रदान करती है। एमसीए21 वी3 के माध्यम से, वेब फाइलिंग, ई-न्यायनिर्णयन, ई-परामर्श, ई-बुक, लर्निंग प्रबंधन प्रणाली जैसी सुविधाएँ आरम्भ की गई हैं।

जारी...2/-

निदेशकों, कार्यरत पेशेवरों और कंपनी नोडल अधिकारियों सहित 65 लाख से अधिक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता सीधे एमसीए21 सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 23.37 लाख सक्रिय कंपनियाँ और एलएलपी एमसीए21 पोर्टल की सेवाओं का लाभ उठा रही हैं। कंपनियों और एलएलपी की राज्यवार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

इसके अतिरिक्त, एनसीएलटी और एनसीएलएटी की सभी पीठों के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा ई-कोर्ट परियोजना भी कार्यान्वित किया गया है।

(ख) और (ग): एमसीए21 संस्करण 3, हेल्पडेस्क समाधान, ई-परामर्श मॉड्यूल, सुरक्षा और खतरा प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) का उपयोग करता है। डिजिटल अवसंरचना और अन्य पहलों के लिए बजट एमसीए21 की कुल स्वीकृत परियोजना लागत में शामिल है, जिससे एआई/एमएल आधारित समाधान अपनाने में लचीलापन मिलता है।

(घ): एमसीए21 हितधारकों के साथ परामर्श द्वारा अनुपालन, पारदर्शिता और सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए एआई/एमएल और ब्लॉकचेन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाने पर केंद्रित कर रहा है।

*****

अनुलग्नक

दिनांक 12.08.2025 को उत्तर के लिए नियत राज्यसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2609 के भाग (क) में संदर्भित कंपनियों और एलएलपी की राज्यवार संख्या।

राज्य	कंपनियों की संख्या	एलएलपी की संख्या
महाराष्ट्र	3,64,299	1,19,514
दिल्ली	2,57,958	42,030
उत्तर प्रदेश	1,62,812	26,327
पश्चिम बंगाल	1,49,671	25,694
कर्नाटक	1,33,820	32,422
तमिलनाडु	1,27,480	16,778
तेलंगाना	1,14,665	22,461
गुजरात	1,07,192	39,425
हरियाणा	75,973	15,396
राजस्थान	67,790	13,009
केरल	62,748	21,954
बिहार	50,131	3,420
मध्य प्रदेश	47,140	8,852
आंध्र प्रदेश	35,749	5,217
ओडिशा	30,960	2,415
पंजाब	28,617	4,960
झारखंड	19,777	2,094
असम	15,445	2,597
छत्तीसगढ़	14,694	1,800
उत्तराखंड	13,611	3,014
चंडीगढ़	9,206	1,374
जम्मू और कश्मीर	8,667	628
गोवा	6,789	2,329
हिमाचल प्रदेश	6,744	750
पुडुचेरी	2,070	238
मणिपुर	1,861	150
त्रिपुरा	1,188	145
मेघालय	922	142
अरुणाचल प्रदेश	865	75
नागालैंड	700	35
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	615	44
दादरा और नगर हवेली	532	146
मिजोरम	384	19
दमन और दीव	338	69
लद्दाख	71	4
लक्षद्वीप	43	21
सिक्किम	1	73
कुल	**19,21,528**	**4,15,621**

*****